

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2036

दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

कोयला आधारित विद्युत परियोजनाओं में पानी की कमी

†2036.एडवोकेट चन्द्र शेखर:

श्री हनुमान बेनीवाल:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बड़ी संख्या में निर्माणाधीन या विस्ताराधीन कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र पानी की कमी झेल रहे जिलों में स्थित है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इनमें से कई संयंत्र पानी की कमी के कारण उत्पादन में देरी या कमी का सामना कर रहे हैं, यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों में ऐसे विद्युत संयंत्रों और प्रभावित जिलों के नाम सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अर्ध-शुष्क और सूखा प्रभावित क्षेत्रों में स्थित बड़ी तापीय परियोजनाओं के लिए कोई समग्र जल उपलब्धता और उपयोग संबंधी आकलन कराया है या कमीशन किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या किसी कोयला आधारित तापीय ऊर्जा संयंत्र परियोजनाओं को सुनिश्चित जल आपूर्ति के अभाव में रोक दिया गया, घटा दिया गया या रद्द कर दिया गया है, यदि हाँ, तो ऐसी परियोजनाओं की सूची सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख) : जल शक्ति मंत्रालय के भारत के गतिशील भूजल संसाधनों पर राष्ट्रीय संकलन 2025 के अनुसार, देश भर में भूजल मूल्यांकन इकाइयों (जिले, ब्लॉक आदि) को वार्षिक भूजल निष्कर्षण और पुनःपूर्ति फ्रीएटिक एक्विफायर के अनुपात के आधार पर सुरक्षित (70% से कम या बराबर), सेमी-क्रिटिकल (70% से अधिक और 90% से कम या बराबर), क्रिटिकल (90% से अधिक और 100% से कम या बराबर) तथा अत्यधिक दोहन (100% से अधिक) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तदनुसार, जल-संकटग्रस्त जिलों में तीन (03) विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन या विस्ताराधीन हैं और उनका विवरण अनुबंध पर दिया गया है।

इन संयंत्रों ने पानी की कमी के कारण उत्पादन में देरी की कोई सूचना नहीं दी है।

(ग) : सरकार द्वारा ऐसा कोई अध्ययन नहीं कराया गया है। ताप विद्युत संयंत्रों के लिए पानी का आवंटन जहां परियोजना स्थित है वहाँ की राज्य सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा किया जाता है और वे पानी के आवंटन से पहले सभी कारकों का आकलन करते हैं।

(घ) : कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के आकार से संबंधित निर्णय उत्पादक कंपनियों/परियोजना विकासकर्ताओं द्वारा उनकी तकनीकी-आर्थिक और वाणिज्यिक आवश्यकताओं और स्थानीय स्थितियों, जिसमें पानी की उपलब्धता भी शामिल है, के आकलन के आधार पर लिया जाता है। इसके अतिरिक्त, नए कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र जल संरक्षण के लिए, आवश्यकतानुसार, एसीसी (एयर कूल्ड कंडेन्सर) आधारित तकनीक को भी अपना रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप क्लिंग टावर प्रणाली के संबंध में पानी की खपत में 60% की कमी आई है।

जल-संकटग्रस्त जिलों में स्थित निर्माणाधीन तथा अवाई किए गए कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र (टीपीपी)

क्रमसं.	राज्य	जिला	टीपीपी का नाम	यूटिलिटी	क्षेत्र	स्थिति (निर्माणाधीन/ अवाई किए गए)	श्रेणी
1.	उत्तर प्रदेश	कानपुर नगर	घाटमपुर टीपीपी	एनयूपीपीएल	केंद्रीय	निर्माणाधीन	सेमी- क्रिटिकल
2.	हरियाणा	यमुनानगर	डीसीआर टीपीपी विस्तार	एचपीजीसीएल	राज्यीय	निर्माणाधीन	अत्यधिक दोहन
3.	राजस्थान	बारन	कवाई टीपीपी	अडानी पावर	निजी	अवाई किया गया लेकिन निर्माण शेष	अत्यधिक दोहन
